Pioneer Public school (2021-2022)

Date-05/05/2021

Day- wednesday

*Class- 3rd

*Subject- maths ch - 2(ex-2.2) Q no - 19,20,21 do in copy watch this video carefully

Sub-English(R)

Lesson-4 (Third page)

Dear student watch the video carefully and read again yourself

https://www.dropbox.com/s/jgvqr002cb0rih7/WhatsApp%20Video%202021-05-02%20at%2019.55.56.mp4?dl=0

*Class- 3rd

*Subject-evs

Ch- 3 questions answers do in fair copy

https://www.dropbox.com/s/ilndnnewdpuzuz5/WhatsApp%20Video%202021-05-02%20at%2019.56.31.mp4?dl=0

*Subject- hindi

Lesson- 4(मुफ्त ही मुफ्त) read it

Page No.
Date

Q03. Which are called Scavengers ?

Ans. Animals that eat flesh of dead animals are called scavengers.

Q04. What do you mean by a food chain ?

Ans. Stronger animals kills weaker animals for food. This is like a chain that plants and animals from and so it is called the food chain.

Q05. Why is the lady bird ~~bet~~ beetle called the farmer's friend ?

Ans. Lady bird beetle is also know as farmer's friend. This is because once the European farmers prayed to the Virgin Mary in order to help them as the pests started eating their crops. Virgin Mary helped them by sending beetles on their crops that ate the pests completely. Hence, they are names as farmers friend.

and animals form and so it

Snake

Hindi Grammar

06

Class ⇒ III rd
05/05/21 Day ⇒ Wednesday
Sub ⇒ E.V.S.

Page No.
Date

Lesson-3
(Eating Habits of Animals)

Answer the following questions.

Q01. What is the difference between herbivores and carnivores?

Ans. Herbivores ⇒ Animals that depend on plants for their food are called herbivores. They have wind and sharp ~~thee~~ teeth to cut grass and leaves.

Carnivores ⇒ Animals feed only on the flesh of other animals. They do not eat plants. They have sharp teeth good eyesight and strong limbs with sharp claws.

Q02. Which are called omnivores?

Ans. Animals that eat both plants and flesh are called omnivores.

15/05/21
Wednesday
CLASS → III
Sub → Hindi
Note :- Read

मुफ़्त ही मुफ़्त

पाठ परिचय (Introduction)

प्रस्तुत पाठ में एक कंजूस के बारे में बताया गया है। जो मुफ़्त में नारियल पाने के लिए अपना जीवन ही दाँव पर लगा देता है। आइए, पढ़कर पूरी बात जानें।

एक थे भीखूभाई–बड़े ही कंजूस। एक दिन उनका नारियल खाने का मन हुआ। लेकिन एक परेशानी थी, पैसे खर्च करने पड़ेंगे। वह बैठकर सोचने लगे।

भीखूभाई : क्या करूँ ? क्या करूँ?

(सोचते हुए)–अच्छा, बाज़ार तक हो आता हूँ, पता तो चले नारियल कितने में बिक रहे हैं।

भीखूभाई बाज़ार गए, नारियलवाले से नारियल की कीमत पूछी।

भीखूभाई : क्यों भाई, नारियल कैसे दिए?

नारियलवाला : चार रुपये का एक।

भीखूभाई : चार रुपये! यह तो बहुत महँगा है। तीन रुपये में दोगे?

नारियलवाला : नहीं, मैं नहीं दूँगा। एक मील की दूरी पर मंडी है। वहाँ तीन रुपये में मिल जाएगा।

भीखूभाई : (सोचते हुए) टहलने का अच्छा मौका है और एक रुपये की बचत भी हो जाएगी।

पैदल चलते-चलते वे मंडी पहुँचे। वहाँ एक दुकानदार से नारियल की कीमत पूछी।

भीखूभाई : भाई नारियल कैसे दिए?

नारियलवाला : तीन रुपये का एक।

भीखूभाई : यह तो बहुत ज़्यादा दाम हैं। मैं तो दो रुपये दूँगा।

भीखूभाई : सच, सच, जितने चाहूँ, ले लूँ? मुफ़्त में ले लूँ।

दुकानदार : बिल्कुल मुफ़्त। जल्दी-जल्दी चढ़ जाओ पेड़ पर।

भीखूभाई जल्दी-जल्दी पेड़ पर चढ़ गए। उन्होंने अपने दोनों हाथों से एक नारि
पकड़ा। ज़ोर का झटका दिया। तभी उनके पैर फिसल गए। फिर क्या था, वे धड़ाम
समुद्र की रेत पर आ गिरे। भीखूभाई अपने को सँभाल ही रहे थे, कि एक बड़ा-
नारियल उनके सिर पर आ गिरा। बिल्कुल मुफ़्त!

भीखूभाई – मर गया! मुफ़्त नारियल के चक्कर में।

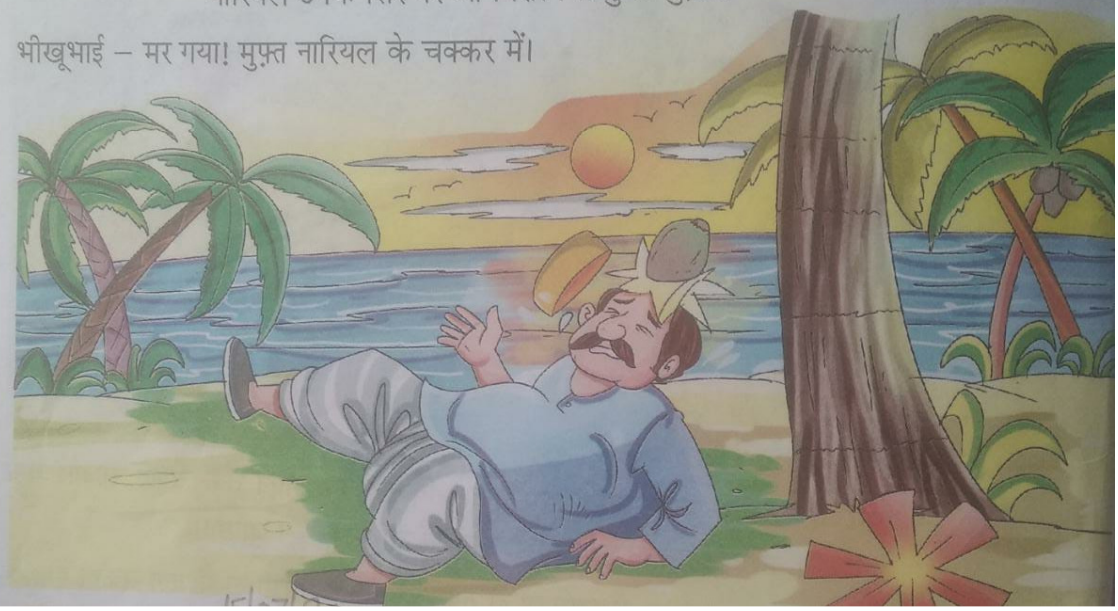

नारियलवाला : दो रुपये में तो नहीं दूँगा।

भीखूभाई : मुझे तो दो रुपये में ही चाहिए।

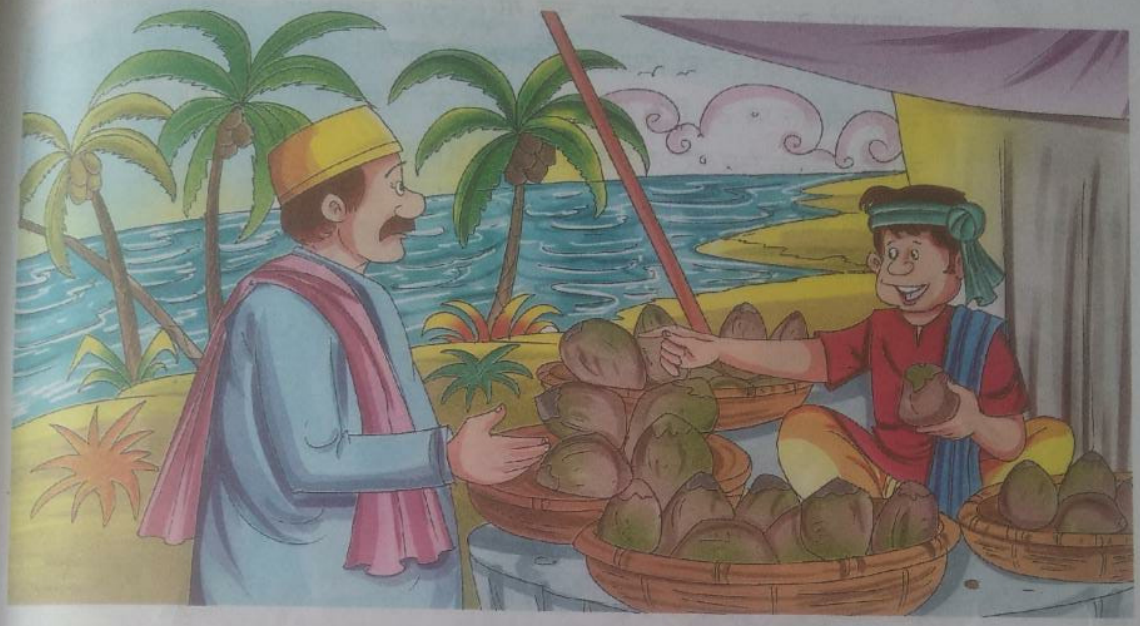

नारियलवाला : फिर एक काम करो। समुद्र के किनारे-किनारे एक मील तक चलते जाओ। वहाँ नारियल की कई दुकानें हैं। वहाँ दो रुपये में नारियल मिल जाएगा।

भीखूभाई : (सोचते हुए) आखिर दो रुपये तो दो रुपये ही होते हैं। अभी तो मैं चल सकता हूँ।

चलते-चलते वे एक मील दूर समुद्र-तट पर पहुँच गए। वहाँ नारियल की कई दुकानें थीं। भीखूभाई ने एक दुकानदार से नारियल की कीमत पूछी।

भीखूभाई : नारियल की क्या कीमत है?

दुकानदार : दो रुपये का एक नारियल।

भीखूभाई : यह तो बहुत ज़्यादा है।

दुकानदार : मेरे नारियल भी बहुत बढ़िया हैं।

भीखूभाई : तुम्हारी बात ठीक है। लेकिन दो रुपये नहीं, मैं तो इसका एक रुपया ही दूँगा। बोलो, एक रुपये में देते हो?

नारियलवाला : सामने वाले नारियल के पेड़ पर चढ़ जाओ और जितने चाहे तोड़ लो। मुफ़्त में मिल जाएँगे।